तब लोगों ने प्रभु का नाम पुकारना शुरू किया

शालोम! एक और नया दिन हमारे प्रभु की असीम कृपा से हमें मिला है। मैं आपको आमंत्रित करता हूँ कि आज हम मिलकर हमारे परमेश्वर के महान शब्दों पर विचार करें, खासकर क्योंकि यह विशेष दिन नज़दीक है।

आज हम फिर से उत्पत्ति (Genesis) की किताब पर ध्यान देंगे, विशेषकर उन दो लोगों की राह पर, जिनकी पीढ़ियाँ हम बाद में सातवीं पीढ़ी में देखेंगे: कैन और सेट।

जैसा कि हम जानते हैं, कैन वह पहला था जिसने अपने जीवन में परमेश्वर के श्राप का अनुभव किया। उसे चेतावनी दी गई कि वह धरती पर एक निर्वासित और बेचैन व्यक्ति रहेगा। आज जब हम कैन के बारे में सोचते हैं, तो वह हमें अक्सर जंगली या समाज से अलग-थलग दिखाई देता है। लेकिन मुझे विश्वास है कि अगर वे लोग उस समय पृथ्वी पर होते, तो कई लोग खासकर कैन में रुचि लेते, खासकर वे लोग जो सफलता को परमेश्वर के आशीर्वाद का पैमाना मानते हैं।

बाइबल हमें दिखाती है कि कैन ने न केवल व्यक्तिगत रूप से प्रगति की, बल्कि उसकी संतानें भी बुद्धिमान, शिक्षित और आविष्कारशील थीं (उत्पत्ति 4:16–24)।

इस प्रकार, अगर हम आशीर्वाद को भौतिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टि से देखें, तो कैन सेट से भी अधिक धन्य था।

लेकिन जब हम सेट की ओर देखते हैं, जो हाबिल की कमी को पूरा करने के लिए पैदा हुआ, स्थिति कुछ अलग दिखती है। अपने पुत्र एनोस के जन्म के तुरंत बाद सेट ने सोचना शुरू किया:
“क्यों जीवन वैसा नहीं है जैसा होना चाहिए? क्यों सब कुछ परमेश्वर के बिना खाली लगता है, चाहे हम कितनी भी कोशिश करें? क्यों प्रभु मौन हैं, जबकि हम जैसे कोई बात ही नहीं हो, वैसे चलते रहते हैं?”

सेट ने परमेश्वर की खोज शुरू की। उसने और उसकी संतानें प्रार्थना करना, उपवास करना, धर्मपूर्वक जीवन जीना और बलिदान देना सीखा। वे पूरे मन से प्रभु का नाम पुकारते थे।

“सेट ने भी एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम एनोस रखा। उस समय लोग प्रभु के नाम को पुकारना शुरू कर दिए।”
– उत्पत्ति 4:26

कैन और उसकी संतानाओं के विपरीत, उन्होंने सांसारिक प्रगति पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि परमेश्वर की खोज पर ध्यान केंद्रित किया। उनका समाज धर्म और परमेश्वर के भय पर आधारित था, केवल भौतिक उपलब्धियों पर नहीं।

आइए सातवीं पीढ़ी पर विचार करें: सेट की सातवीं संतान हेनोक था, जो परमेश्वर के साथ चलता था और अंततः उठा लिया गया। यह दिखाता है कि परमेश्वर की खोज में स्थिर प्रयास का पुरस्कार मिलता है।

“हेनोक परमेश्वर के साथ चलता रहा; और वह वहाँ नहीं था,
क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया।”
– उत्पत्ति 5:24

कैन की पीढ़ी में ऐसा नहीं था। सातवीं संतान लामेक थी, जो कैन से दस गुना बुरा था। उसने कई विवाह स्थापित किए, लेकिन उसके काम हिंसा से भरे थे। फिर भी, उसकी पीढ़ी भौतिक और तकनीकी रूप से समृद्ध रही:

“लामेक ने दो स्त्रियों को लिया, अदा और सिल्ला। अदा ने
जाबाल को जन्म दिया, जो झोपड़ियों और पशुपालन का पिता था।
उसका भाई जूबाल था, जो सभी वाद्ययंत्रों का पिता था। सिल्ला ने तुबाल-कैन को जन्म दिया, जो तांबे और लोहा का लोहार था; उसकी बहन नामा थी। लामेक ने अपनी स्त्रियों से कहा: ‘सुनो मेरी आवाज, लामेक की स्त्रियों; मेरी बात पर ध्यान दो! मैंने अपनी चोट के कारण एक पुरुष को मारा, अपनी छेदी के कारण एक युवक को। यदि कैन का सात गुना प्रतिशोध किया जाता है, तो

लामेक का सत्तर गुना प्रतिशोध होगा।'”
– उत्पत्ति 4:19–24

प्रिय भाई और बहनों, आज भी ये दोनों पीढ़ियाँ मौजूद हैं। लेकिन मसीह की पीढ़ी प्रेरितों की कलीसिया से शुरू होती है, जिसे इफेसुस कहा जाता है, और सातवीं और अंतिम पीढ़ी, लाओदिकीया की कलीसिया में समाप्त होती है (प्रकाशितवाक्य 3)।

एक दिन इन अंतिम पीढ़ियों के धर्मियों को अचानक उठा लिया जाएगा
– जिसे रapture (उठाए जाने) के रूप में जाना जाता है। दुनिया महान संकट का अनुभव करेगी, लेकिन विश्वासियों को मुक्ति मिलेगी।

शैतान की पीढ़ी दुनिया की चीजों – शिक्षा, धन, समृद्धि, सफलता – पर ध्यान केंद्रित करती है। जब उन्हें परमेश्वर का वचन बताया जाता है, तो वे सिर्फ हँसते और ताने मारते हैं।

हम अंतिम समय की दहलीज पर जी रहे हैं। यदि आप मसीही हैं, तो जब तक समय है, प्रभु का नाम निरंतर पुकारते रहें, ताकि आप हेनोक की तरह उठाए जाएँ और पीड़ा से बचें। यदि आप इस संदेश को अनदेखा करते हैं, तो अब समय है कि आप मसीह की ओर मुड़ें और तौबा करें।

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दे।

कृपया इस शुभ संदेश को दूसरों के साथ साझा करें। यदि आप चाहते हैं कि हम ये शिक्षाएँ आपको ईमेल या व्हाट्सएप पर भेजें, तो नीचे टिप्पणी में संदेश भेजें या हमसे +255 789001312 पर संपर्क करें।

हमारे व्हाट्सएप चैनल से जुड़ें >> [लिंक जोड़ें]

Share on:
WhatsApp

Print this post